साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24

CLASS - 9 SUBJECT -HISTORY

माह	सप्ताह	पाठ का नाम	पाठ के उपखंड	कालांश	अधिगम प्रतिफल
June	पहला सप्ताह	खण्ड 1 घटनाएँ एवं प्रक्रियाएँ फ्रांसीसी क्रांति	फ्रांसीसी क्रांति	1	यूरोप के नक्शे पर फ्रांस का पता लगाता है। क्रांति और आंदोलन में अंतर स्पष्ट करता है। निरंकुश राजा या शासन व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करता है। राजतंत्र और प्रजातंत्र के बीच अंतर स्पष्ट करता है। क्रांति से पूर्व और पश्चात् की सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था की व्याख्या करता है। क्रांति के पश्चात् महिलाओं, दासों और सामान्य जनों की हालातों में आए बदलावों को समझता/जानता है और वर्त्तमान परिदृश्य से उसकी तुलना करता है।
			18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में फ्रांसीसी समाज	1	
	दूसरा सप्ताह		जीने का संघर्ष जीविका का संकट कैसे पैदा होता है उभरते मध्य वर्ग ने विशेषाधिकारों के अंत की कल्पना की 2 क्रांति की शुरूआत	01 01	
	तीसरा सप्ताह		2.1 फ्रांस संवैधानिक राजतंत्र बन गया	1	
			फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन और गणतंत्र की स्थापना	1	
	चौथा		3.1 आतंक का राज 3.2 डिरेक्ट्री शासित फ्रांस	1	
			क्या महिलाओं के लिए भी क्रांति हुई ?	1	
July	पहला		दास–प्रथा का उन्मूलन	1	
			क्रांति और रोजाना की जिन्दगी	1	
	दूसरा		पुनरावृत्ति, मानचित्र कार्य	2	
		यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति	सामाजिक परिवर्तन का युग 1.1 उदारवादी रैडिकल और रूढ़िवादी	1	साम्राज्यवाद और समाजवाद के अर्थ को स्पष्ट करता है। रूढ़िवादी, उदारवादी और उग्रवादी विचारधाराओं से परिचित होता है। ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था में अंतर स्पष्ट करता है। क्रांति से पूर्व और पश्चात् की सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था की व्याख्या करता है। मानचित्र/नक्शा पर रूस की अवस्थिति को बताता है। बोल्शेविक और मेन्शेविक में अंतर स्पष्ट करता है।
	दूसरा		1.2 औद्योगिक समाज और सामाजिक परिवर्तन	1	
			यूरोप में समाजवाद का आना समाजवाद के लिए समर्थन	1	
	तीसरा		रूसी क्रांति 2.1 रूसी साम्राज्य 1914	1	
			2.2 अर्थव्यवस्था और समाज 2.3 रूस में समाजवाद	1	
	चौथा		2.4 उथल–पुथल का समयः 1905 की क्रांति	1	
			2.5 पहला विश्वयुद्ध और रूसी साम्राज्य	1	
August	पहला		पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति 3.1 फरवरी के बाद	1	
			3.2 अक्टूबर 1917 की क्रांति	1	
	दूसरा		अक्टूबर के बाद क्या बदला ?	1	
			4.1 गृह युद्ध	1	
	तीसरा		4.2 समाजवादी समाज का निर्माण	1	
			4.3 स्तालिनवाद और सामूहिकीकरण	1	
	चौथा		रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव	1	
			पुनरावृत्ति, मानचित्र कार्य	2	
September	पहला	नात्सीवाद और हिटलर का उदय	नात्सीवाद और हिटलर का उदय	1	नात्सीवाद/नाजीवाद के बारे में जानकारी रखता है। नक्शे पर जर्मनी की भौगोलिक स्थिति की जानकारी रखता है। मित्र राष्ट्र और धुरी राष्ट्र का नाम जानता है। तानाशाही शासन व्यवस्था की व्याख्या करता है। विद्यार्थी अपने लेख या निबंध में प्रोपेगैंडा, हर्जाना, ब्लाँड, घेटो, युंगफोक, महाध्वंश (होलोकॉस्ट) जैसे कठिन शब्दों का अर्थ स्पष्ट करता है। विद्यार्थी यातना शिविर (कन्सन्ट्रेशन कैम्प) और इवैक्युएशन जैसे शब्दों को समझकर ऐसी व्यवस्था की आलोचना करता है।
			1 वाइमर गणराज्य का जन्म	1	
	दूसरा		युद्ध का असर .राजनीतिक रैडिकलवाद (आमूल परिवर्तनवाद) और आर्थिक संकट	1	
			1.3 मंदी के साल	1	
	तीसरा		2 हिटलर का उदय	1	
			2.1 लोकतंत्र का ध्वंस 2.2 पुनर्निर्माण	1	
	पहला		3 नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण	1	
			3.1 नस्लवादी राज्य की स्थापना 3.2 नस्ली कल्पनालोक (यूटोपिया)	1	
			4 नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति	1	
October	दूसरा		4.1 मातृत्व की नात्सी सोच 4.2 प्रचार की कला	1	

	दूसरा		5 आम जनता और मानवता के खिलाफ अपराध 5.1 महाध्वंस (होलोकॉस्ट) के बारे में जानकारियाँ	1	
	तीसरा		पुनरावृत्ति और मानचित्र कार्य	2	
November	चौथा	खण्ड 2 जीविका, अर्थव्यवस्था और समाज वन्य समाज और उपनिवेशवाद	वन्य समाज और उपनिवेशवाद 1 वनों का विनाश क्यों ? जमीन की बेहतरी पटरी पर स्लीपर बागान	1	विद्यार्थी उपनिवेशवाद से परिचित हैं। विद्यार्थी वनों के महत्व को समझते हैं विद्यार्थी वैज्ञानिक वानिकी/व्यावसायिक वानिकी के महत्व को समझते हुए वृक्षों में अंतर करना जानते हैं। विद्यार्थी वनोन्मूलन से होनेवाले पर्यावरणीय प्रदूषण की जानकारी रखते हैं।
			2 व्यावसायिक वानिकी की शुरूआत	1	
	पहला, दूसरा, तीसरा चौथा (अक्टूबर में दो ही		2.1 लोगों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ ? 2.2 वनों के नियमन से खेती कैसे प्रभावित हुई ?	1	विद्यार्थी पाठ अधिगम के उपरांत वनों के महत्व से लोगों को परिचित कराते हैं–अपने लेखन, इश्तेहार, स्लोगन, भाषण या चित्र के माध्यम से।
			2.3 शिकार की आजादी किसे थी ?	1	
December	पहला एवं दूसरा		2.4 नए व्यापार, नए रोजगार और नई सेवाएँ 3 वन–विद्रोह 3.1 बस्तर के लोग 3.2 लोगों के भय	1 1	विद्यार्थी बस्तर, जावा के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।
	द्वितीय एवं तृतीय		4 जावा के जंगलों में हुए बदलाव 4.1 जावा के लकड़हारे 4.2 डच वैज्ञानिक वानिकी 4.3 सामिन की चुनौती	1 1	
	द्वितीय एवं चतुर्थ		4.4 युद्ध और वन–विनाश 4.5 वानिकी में नए बदलाव	1	
			पुनरावृत्ति	1	
January & February	चौथा	आधुनिक विश्व में चरवाहे	आधुनिक विश्व में चरवाहे 1 घुमंतु चरवाहे और उनकी आवाजाही 1.1 पहाड़ों में	1	विद्यार्थी घुमंतू समुदाय या चरवाहा समुदाय की सामान्य जानकारी रखता है। विद्यार्थी भौगोलिक आधार पर मैदान, पठार, पहाड़ और रेगिस्तान में अंतर स्पष्ट करना जानते हैं। पाठ में उल्लिखित कुछ चरवाहा समुदाय के नामों से परिचित हैं। पाठ में उल्लेखित कुछ शब्द जैसे – भाबर, बुग्याल, रेवड़, रबी फसल, खरीफ फसल, गुज्जर–बककरवाल, गद्दी, राइका इत्यादि शब्दों का अर्थ समझते हैं और साथ ही वाक्यों में इन शब्दों का प्रयोग करना भी जानते हैं।
			1.2 पठारों, मैदानों और रेगिस्तानों में	1	
	पहला		2 औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवन	1	
			2.1 इन बदलावों ने चरवाहों की जिन्दगी को किस तरह प्रभावित किया ? 2.2 चरवाहों ने इन बदलावों का सामना कैसे किया ?	1	
	दूसरा		3 अफ्रीका में चरवाहा जीवन	1	
			3.1 चरागाहों का क्या हुआ ?	1	
	तीसरा		3.2 सरहदें बंद हो गई 3.3 जब चरागाह सूख जाते हैं	1	
			3.4 सब पर एक जैसा असर नहीं पड़ा	1	
	पहला एवं दूसरा		पुनरावृत्ति	2	
	तीसरा एवं चौथा पहला (2 कालांश)	सम्पूर्ण पाठों की पुनरावृत्ति,	विद्यालय स्तरीय आंतरिक मूल्यांकन	5	